कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्राचार्य

कार्यक्रम में स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं

राष्ट्रीय एकता का शपथ लेते स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं

विश्व एड्स जागरूकता दिवस

01 दिसम्बर 2015 को विश्व एड्स निवारण जागरूकता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय से अभिग्रहित गांव तक जनजागरण रैली निकाली गयी। इस रैली में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने तख्ती, बैनर, पोस्टर के माध्यम से गांव वालों को एड्स जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए जागरूक करने का प्रयास किया। रैली के उपरान्त एक परिचर्चा का कार्यक्रम भी आयोजित कर स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को एड्स से बचाव के उपायों को अधिक लोगों तक पहुँचाने का आवह्न किया गया। गुरु श्रीगोरक्षाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने संयुक्त रूप से सहभागिता किया।

हिन्दुस्तान

गोरखपुर • बुधवार • 02 दिसम्बर 2015

एमपी पीजी सहित कई कॉलेजों में हुए कार्यक्रम

विश्व एड्स दिवस पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में एक गोष्ठी और रैली आयोजित की गई। एनएसएस छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गांवों में रैली निकाल लोगों को जागरूक किया। सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में इस मौके पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इंदिरा गांधी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, भवानी प्रसाद पांडेय पीजी कॉलेज और मारवाड़ बिजनेस स्कूल में भी गोष्ठियां आयोजित कर एड्स के बारे में जानकारी दी गई।

समाचार पत्रों में...

चेतना विचारधारा

गोरखपुर, 2 दिसम्बर, 2015

विश्व एड्स दिवस

एड्स के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

❐ जागरूकता के द्वारा एड्स बीमारी से बचाव सम्भव

गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली के साथ अनेको कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न संगठनो द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं जिला अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरुकता रैली निकाली गयी। रैली का नेतृत्व जिला क्षय रोग अधिकारी डा.पी.के .मिश्रा एक कार्यक्रम समन्वयक डा.अजय कुमार शुक्ला ने किया।

जागरूकता रैली जिला अस्पताल से निकलकर शास्त्री चौक होते हुए। टाउनहाल चौराहे होते हुए पुनः जिला क्षय रोग अस्पताल के पास पहुंच कर समाप्त हुई। उत्तर प्रदेश स्काउट और गाइड ने एड्स जन जागरुकता रैली अयोध्यादास स्काउट से निकाला, रैली अम्बेडकर चौराहा, शास्त्री चौक, गोलघर होते हुए स्काउट कुटीर पर पहुंच कर सम्पन्न हुई।रैली का संचालन जिला संगठन कमिश्नर स्काउट राकेश सैनी एवं गाइड इशरत सिद्दीकी ने किया।

एड्स और एच.आई.वी.के बारे में जानना जरूरी: डा.डी.के- सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय एडस दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डा.डी.के.श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स एचआईवी के बारे में जानना हम सभी के लिए आवश्यकता है। इसके लक्षण, बचाव व उपचार के बारे में बताया। उन्होने कहा कि जानकारी ही सुरक्षा है।

इस अवसर पर प्राचार्या डा.रीना त्रिपाठी, डा.गीता पाण्डेय, डा.प्रीति सिंह, डा.पूनम सिंह, डा.मधु, डा.पूजा एवं एन.के.सिंह आदि उपस्थित थे। इसीक्रम में महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक व सेविकाओं द्वारा जन जागरुकता रैली निकाली गई। रैली महाविद्यालय परिसर से निकल कर मंझरिया, हसनगंज, जंगल धूसड होते पुनः महाविद्यालय परिसर पहुंच कर सम्पन्न हुई।

जागरूकता रैली में भाग लेते स्काउट गाइड के कैडेट्स।

साथी के प्रति रहे वफादारी: सिद्धार्थ राय- जागरूकता, समझदारी, संतुलित जीवन तथा साथी के प्रति वफादारी यही है एड्स के बचाव की जानकारी यह बाते सिद्धार्थ राय, आई.सी.टी.सी. एड्स विभाग बी.आर.डी.मेडिकल कालेज परामर्शदाता ने भवानी प्रसाद पाण्डेय पी.जी.कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में" आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में कही। उन्होंने इसके बारे में बेहद महत्वपूर्ण जानकारियों को दिया।

एण्टी रेट्रो वायरल थेरेपी बचाती है एड्स से जान: डा.गोयल- मारवाड़ बिजनेस स्कूल के रासंगो और रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा.आर.एम.गोयल ने कहा कि एड्स है तो गंभीर परन्तु वर्तमान में एण्टी रेट्रो वायरल थेरेपी द्वारा एड्स रोगियों का इलाज कर पाने का खोज अंतिम चरण में है। यद्यपि बचाव ही सर्वोत्तम विधा है। संक्रमण रोकने का परन्तु ऐण्टी वायरल एड्स थेरेपी रोगियों की जान बचाने में सफल है। डा.गोयल ने युवाओं का ध्यान आकर्षित करते हुए एम.आई.टी.तथा एच.आई.वी. में फर्क बता जागरूक किया।

समाचार पत्रों में...

अमर उजाला
गोरखपुर | बुधवार | 2 दिसंबर 2015

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता को आगे आए शहरी

खास तरह के पोस्टरों से दिया संदेश, संगोष्ठी में देश से एड्स के खात्मे में सहयोग की अपील की गई

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मंगलवार को पूरा शहर एड्स के लिए जागरूकता को लेकर आगे आता दिखा। संगोष्ठी आयोजित हुई तो कहीं कार्यशाला। पूरे दिन आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। पोस्टर, रंगोली बनाकर जागरूकता का संदेश दिया।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी वुमेन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से यूनिवर्सिटी के संवाद भवन में कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज की गायनाकॉलजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रीना श्रीवास्तव ने जच्चा-बच्चा में एड्स की स्थिति, कारण और बचाव पर प्रकाश डाला। प्रो. मधु कुमार ने एचआईवी वाइरस पर होने वाले शोध और वैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. शीला सिंह, डॉ. अशोक सिंह और डॉ. प्रेमलता ने व्यवहार परिवर्तन और जीवन शैली में बदलाव की चर्चा की। इस दौरान पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता हुई। एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे, डॉ. दिव्या रानी सिंह, डॉ. अनुभूति देवी, प्रो. राजवंत राव, प्रो. ओपी पांडेय, प्रो. कीर्ति पांडेय, डॉ. सुधाकर लाल आदि मौजूद रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से पंत पार्क में 'एड्स एक अभिशाप' विषय पर संगोष्ठी में यूनिवर्सिटी के प्राणि विज्ञान के शिक्षक डॉ. एसके तिवारी ने देश को एड्स शून्य किए जाने के लिए अपील की। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में एड्स की वजहों पर चर्चा हुई। संयम और नियंत्रित पारिवारिक जीवन जीने का आह्वान किया गया। भवानी प्रसाद पांडेय पीजी कॉलेज, चरगांवा में भी संगोष्ठी में सिद्धार्थ राय, डॉ. विकास, डॉ. भूपेंद्र सिंह, अमरेंद्र मोहन ने विचार व्यक्त किया।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी महिला कल्याण परिषद के संवाद केंद्र पर कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने दीप जलाकर कार्यशाला का उद्घाटन किया।

सीएमओ कार्यालय से कर्मचारियों एवं गोरखपुर यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली।

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर, बुधवार 02 दिसम्बर, 2015

विश्व एड्स दिवस

एड्स के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

❒ जागरूकता के द्वारा एड्स बीमारी से बचाव सम्भव

गोरखपुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली के साथ अनेको कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न संगठनो द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं जिला अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरुकता रैली निकाली गयी। रैली का नेतृत्व जिला क्षय रोग अधिकारी डा.पी.के.मिश्रा एक कार्यक्रम समन्वयक डा.अजय कुमार शुक्ला ने किया।

जागरूकता रैली जिला अस्पताल से निकलकर शास्त्री चौक होते हुए। टाउनहाल चौराहे होते हुए पुनः जिला क्षय रोग अस्पताल के पास पहुंच कर समाप्त हुई। उत्तर प्रदेश स्काउट और गाइड ने एड्स जन जागरुकता रैली अयोध्यादास स्काउट से निकाला, रैली अम्बेडकर चौराहा, शास्त्री चौक, गोलघर होते हुए स्काउट कुटीर पर पहुंच कर सम्पन्न हुई। रैली का संचालन जिला संगठन कमिश्नर स्काउट राकेश सैनी एवं गाइड इशरत सिद्धीकी ने किया।

एड्स और एच.आई.बी.के बारे में जानना जरूरीः डा.डी.के- सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डा.डी.के.श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स एचआईवी के बारे में जानना हम सभी के लिए आवश्यकता है। इसके लक्षण, बचाव व उपचार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जानकारी ही सुरक्षा है।

इस अवसर पर प्राचार्या डा.रीना त्रिपाठी, डा.गीता पाण्डेय, डा.प्रीति सिंह, डा.पूनम सिंह, डा.मधु, डा.पूजा एवं एन.के.सिंह आदि उपस्थित थे। इसीक्रम में महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक व सेविकाओ द्वारा जन जागरुकता रैली निकाली गई। रैली महाविद्यालय परिसर से निकल कर मंझरिया, हसनगंज, जंगल धूसड होते पुनः महाविद्यालय परिसर पहुंच कर सम्पन्न हुई।

साथी के प्रति रहे वफादारीः सिद्धार्थ राय- जागरूकता, समझदारी, संतुलित जीवन तथा साथी के प्रति वफादारी यही है एड्स के बचाव की जानकारी यह बाते सिद्धार्थ राय, आई.सी.टी.सी. एड्स विभाग बी.आर.डी.मेडिकल कालेज परामर्शदाता ने भवानी प्रसाद पाण्डेय पी.जी.कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में कही। उन्होंने इसके बारे में बेहद महत्वपूर्ण जानकारियो को दिया।

एण्टी रेट्रो वायरल [illegible] बचाती है एड्स से [illegible] डा.गोयल- मारवाड़ [illegible] स्कूल के रासेयो और रेड [illegible] क्लब के तत्वावधान में विश्व [illegible] दिवस पर गोष्ठी आयोजित [illegible] गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए [illegible] अतिथि डा.आर.एम.गोयल ने [illegible] कि एड्स है तो गंभीर परन्तु [illegible] में एण्टी रेट्रो वायरल थेरेपी द्वारा एड्स रोगियो का इलाज [illegible] का सोच अंतिम चरण में है। [illegible] बचाव ही सर्वोत्तम विधा है। [illegible] रोकने का परन्तु ऐण्टी वायरल [illegible] थेरेपी रोगियो की जान बचाने में सफल है। डा.गोयल ने युवाओं का ध्यान आकर्षित करते हुए एम.आई.टी.तथा एच.आई.वी. में फर्क बता जागरूक किया।

आज
गोरखपुर बुधवार, २ दिसम्बर २०१५

विश्व एड्स दिवस पर निकली जनजागरूकता रैली

रिपोर्टर

गोरखपुर, १ दिसम्बर। विश्व एड्स दिवस पर स्कूलों, महाविद्यालयों एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों ने जागरूकता रैली निकाली एवं एड्स जागरूकता कार्यक्रम के तहत घर-घर जाकर नागरिको को जागरूक किया और संक्रमण के कारणों व बचाव हेतु नारे लगाये तथा तख्तियों पर लिखे श्लोगनों के माध्यम से जानकारियां दी। इस अवसर पर गोष्ठी एवं व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर दाउद मेमोरियल क्रिश्चियन ग्रामीण विकास समिति द्वारा डुमरी नं. १ विकास खण्ड भटहट में युवाओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। इसके उपरान्त युवाओं ने एक जागरूकता रैली निकाली और संक्रमण के कारणों व बचाव हेतु नारे लगाकर समुदाय को जागरूक किया तथा तख्तियों पर लिखे श्लोगनों के माध्यम से जानकारियां दी। अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर अयोध्यादास स्काउट कुटीर से स्काउट और गाइड द्वारा एड्स जन जागरूकता रैली निकाली गयी जो अम्बेडकर चौराहा, शास्त्री चौराहा और गोलघर होते हुए स्काउट कुटीर पर एकत्रित हुई। जिला मुख्यायुक्त राम जन्मसिंह ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। जिला ट्रेनिंग कमिश्नर अजय कुमार सिंह ने कहा कि एड्स से सर्वाधिक पीड़ित युवा वर्ग २५ से ४४ उम्र के लोग प्रभावित हैं। यदि लोगों को यह जानकारी दी जाय कि एड्स मरीजों के साथ कैसा व्यवहार किया जाय तो लोगों के बीच इस बीमारी के प्रति फैली हुई काफी भ्रांतियां दूर हो सकती है। बचाव ही इस बीमारी का इलाज है। रैली में अजय गुप्ता, श्रीमती रंजना राय, किरन देवी, एमपी इण्टर कालेज, एडी कन्या इण्टर कालेज, महात्मा गांधी इण्टर कालेज के स्काउट और गाइड के बच्चें उपस्थित रहे। महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि संयम और नियंत्रित पारिवारिक जीवन ही एड्स जैसी गंभीर व असाध्य बीमारी से बचाव का प्रमुख अस्त्र है। इस अवसर पर जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जो महाविद्यालय परिसर से होते हुए मंझरिया, हसनगंज, जंगल धूसड़ होते हुए महाविद्यालय परिसर पहुंची। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के महाराणा प्रताप एवं गुरू श्रीगोरक्षनाथ इकाई के स्वयंसेवक, सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। इस रैली में एचआईवी एड्स से सम्बन्धित नारों के द्वारा लोगों को मानवजनित संक्रमित बीमारी के प्रति सचेत करने का प्रयास किया गया।

❒घर-घर जाकर नागरिकों को किया जागरूक

संध्या सेवा संस्थान, नौसढ़ के कार्यालय पर विश्व एड्स दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि एचआईवी पाजिटिव भी आम इंसान की तरह जीवन जी सकता है। जरूरत है उसे डॉक्टरी सलाह लेने की और उस पर अमल करने की। संस्थाध्यक्ष संध्या सिंह ने कहा कि डॉक्टर के परामर्श के अनुसार दवाओं के सेवन के साथ जीवनशैली संतुलित रखने से एचआईवी पॉजिटिव इंसान आम इंसानों की तरह स्वस्थ रह सकता है। कार्यक्रम में श्रीमती कलावती देवी, शोभा, मुकेश, वकील, सीमा देवी, आशा देवी, पूजा, मीना श्रीवास्तव, प्रदीप आदि शामिल रहे। मारवाड़ बिजनेस स्कूल के रासेयो और रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर आज गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. आरएस गोयल ने कहा कि एड्स है तो गंभीर, परन्तु वर्तमान में एण्टी रेट्रो वायरल थेरेपी द्वारा एड्स रोगियों का इलाज संभव हो गया है। गोष्ठी को प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने सम्बोधित किया। गोष्ठी में डॉ. प्रियांशु वर्मा, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. सुनील पाण्डेय, डॉ. पूनम ओझा, डॉ. प्रसन्नता त्रिपाठी, डॉ. स्नेहलता जायसवाल, डॉ. वन्दना चौहान, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. संगीता, कुलदीप, अकबर, अनुराधा आदि सहित शामिल हुए। सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ. डीके श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स और एचआईवी के बारे में जानना हम सभी के लिए आवश्यक है। अन्त में प्राचार्या डॉ. रीना त्रिपाठी ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. मधु, डॉ. पूजा एवं एनके सिंह आदि उपस्थित रहे। विश्व एड्स दिवस पर नेटिव एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी द्वारा एड्स जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज जंगल तुलसी राम खिछिया में सोसायटी के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक किया। इस अवसर पर सोसायटी के ज्वाइंट सेक्रेटरी उमेश भास्कर ने बताया कि ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) समाज में कुछ लोगों को संक्रमित रक्त चढ़ाने तथा इंजक्शन से नशे की दवा लेने वाले एवं दूसरों के ब्लेड व उस्तरा आदि के प्रयोग से भी इस संक्रमण का विस्तार होता है। हमें इन सब कारणों पर सतर्कता पूर्वक रहते हुए जीवन को सुरक्षित रखना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. मनोज, डॉ. कुलदीप सूरज कुमार भारती ने बताया कि यदि कही पता चला कि कोई व्यक्ति को एड्स है तो उसे समाज में लोग हेय दृष्टि से देखते हैं। उसके साथ लोग भेदभाव करते हैं जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर अमित कुमार, श्रवण कुमार निराला, प्रशान्त सिंह विकास कुमार, आदर्श कुमार, बृजेश गुप्ता, राहुल आदि लोग उपस्थित रहे। जागरूकता, समझदारी, संतुलित जीवन तथा साथी के प्रति वफादारी यही है एड्स के बचाव की जानकारी। यह बातें सिद्धार्थ राय, आईसीटीसी, एड्स विभाग बीआरडी मेडिकल कालेज के परामर्शदाता ने भवानी प्रसाद पाण्डेय पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस की संगोष्ठी में कही। कार्यक्रम पूर्वान्ह १० बजे प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार श्रीवास्तव तथा डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने सभी का स्वागत किया और अतिथि श्री राय को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। प्राचार्य ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अमरेन्द्र मोहन पाण्डेय, डॉ. दिवाकर द्विवेदी, अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. सीमा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में...

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर । बुधवार • 2 दिसम्बर • 2015

जागरूकता को उठे हाथ, साथ बढ़े कदम

स्लोगन के जरिए सुरक्षित जीवन के लिए दिए बचाव के संदेश

गोरखपुर (एसएनबी)। विश्व एड्स दिवस पर गोरखपुर विश्वविद्यालय समेत विभिन्न महाविद्यालयों के एनएसएस के छात्र/छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर स्लोगों को इससे बचाव के संदेश दिए। इस अभियान में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी संस्थाओं ने भी बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। रैली में शामिल स्वयं सेवक स्लोगन लिखी तख्तियां लिए हुए थे। इन नारों में 'एड्स की जानकारी, बचाएं जान,' 'सबको समझाओ, एड्स मिटाओ', 'हर बार नई सीरिंज के प्रयोग' आदि प्रमुख रूप से लिखे हुए थे।

जिला अस्पताल एवं गोरखपुर विवि के संयुक्त तत्वावधान में जिला अस्पताल से रैली निकाली गई। रासेयो समन्वयक डा. अजय कुमार शुक्ला व जिला क्षय रोग अधिकारी डा. पोके मिश्रा की अगुवाई में निकली रैली शास्त्री चौक, डीएम कार्यालय टाउनहाल चौराहा होते हुए जिला क्षय रोग अस्पाल के पास समाप्त हुई। इस मौके पर डा. शुक्ला व डा. मिश्र ने कहा कि युवा वर्ग को एड्स से बचाव की जानकारी देकर उन्हें इससे दूर रखा जा सकता है, क्योंकि युवा वर्ग संकोचवश अपनी समस्याओं व विचारों को खुलकर नहीं रख पाते। रैली में डा. प्रमोद कुमार त्रिपाठी, डा. सुमन सिंह, दिलीप मिश्रा, एपी सिंह यादव, एएन मिश्रा, धर्मवीर प्रताप सिंह, मिर्जा आफताब बेग, उपेन्द्र शुक्ला, भरत चन्द आदि शामिल थे। इसी क्रम को द्वितीय, कुमारी कीर्ति वर्मा को तृतीय पुरस्कार मिला। विजयी प्रतिभागियों को डा. पोके मिश्रा व डा. अजय कुमार शुक्ला ने पुरस्कृत किया।

संयम एड्स से बचाव का प्रमुख अस्त्र : संयम और नियंत्रित पारिवारिक जीवन एड्स जैसी बीमारी से बचाव का प्रमुख अस्त्र है। इसलिए जागरूकता और सुरक्षा एड्स से बचने के लिए महत्वपूर्ण तो है ही साथ ही साथ इस बीमारी के प्रसार से बचा जा सकता है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कही। वह महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस पर महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जो मंझरिया, हसनगंज, जंगल धूसड़ होते हुए विवि परिसर पहुंची। रैली में महाराणा प्रताप व गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई के स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

विश्व एड्स दिवस

एसएसपी ने रवाना की रैली

फातिमा अस्पताल के तत्वावधान में चेतना तिराहे से एड्स जनजागरूकता रैली निकाली गई। एसएसपी लव कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और खुद कचहरी चौराहे तक इसमें शामिल हुए। रैली में विभिन्न स्कूलों के छात्र/छात्राएं शामिल हुए। इस मौके पर फादर थिस्टीमुद्दम, फातिमा के निदेशक फादर साबू, डा. अनिल श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

एचआईवी के बारे में जानना जरूरी: इसी कड़ी में बाबू पुरुषोत्तम दास राधारमण दास महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने जनजागरूकता रैली निकाली। हाथों में नारे लिखी तख्तियां लिए छात्र/छात्राएं विद्यालय प्रांगण से निकलकर दरगहिया, गायत्री नगर, इरना टोला, छावनी, खाड़ी लाइन, गौतम गुरुंग चौराहा होते हुए विद्यालय पहुंचे। इसके उपरांत संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश : रैली के समापन पर विवि के रासेयो स्वयंसेवकों ने एड्स पर नुक्कड़ नाटक किया। इस मौके पर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें शिव प्रसाद शुक्ला को प्रथम, कुमारी नैना सिंह सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय आर्यनगर उत्तरी में विश्व एड्स दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि डीके श्रीवास्तव ने कहा कि एड्स और एचआईवी के बारे में जानना सभी के लिए आवश्यक है। इसके लिए हम सभी को नियमित जांच कराना जरूरी है। इससे पहले मुख्य अतिथि का स्वागत और आभार ज्ञापन प्राचार्य डा. रीना त्रिपाठी ने किया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डा. गीता पाण्डेय ने किया।

रेट्रो थेरेपी से एड्स का इलाज संभव : विश्व एड्स दिवस पर मारवाड़ बिजनेस स्कूल और रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि डा. आरएस गोयल ने कहा कि एड्स है तो गंभीर लेकिन एंटी रेट्रो वायरल थेरेपी से एड्स रोगियों का इलाज संभव हो गया है। इस थेरेपी पर अब एडवांस रिसर्च हो चुका है। अब साप्ताहिक एवं मासिक दवाओं का खोज देकर इलाज करने पाने का सोच अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि यद्यपि बचाव ही सर्वोत्तम विधा है। लेकिन एंटी वायरल एड्स थेरेपी से रोगियों की जान बचाने में सफल है। प्राचार्य डा. संतोष त्रिपाठी ने कहा कि एक-एक व्यक्ति यदि शपथ ले ले तो संक्रमण बढ़ने से रोका जा सकता है। संचालन कार्यक्रम अधिकारी पीयूष कुमार ने किया। अंतरराष्ट्रीय एड्स दिवस पर मंगलवार को अयोध्यादास स्काउट कुटीर से स्काउट और गाइड द्वारा जनजागरूकता रैली निकाली गई। अम्बेडकर चौराहा, शास्त्री चौराहा, गोलघर होते हुए यह एमपी. इंटर कालेज, ए.डी. राजकीय कन्या इंटर कालेज, महात्मा गांधी इंटर कालेज के स्काउट और गाइड बच्चों की सहभागिता रही।

बाहर कमाने वालों विशेष रूप से जागरूक करना होगा

बीआरडी मेडिकल कालेज की स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. (श्रीमती) रीना श्रीवास्तव ने कहा कि जनजागरूकता से एचआईवी से संक्रमित होने वालों का परसेंटेज काफी कम हुआ, फिर भी अभी इसकी भयावकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि चूंकि पूर्वी उप में माइग्रेटेड पापुलेशन (बाहर कमाने वाले) अधिक है। ऐसे लोग जागरूकता के अभाव में आसानी इसकी चपेट में आ जाते हैं और पत्नी के साथ ही होने वाले बच्चों को भी संक्रमित कर देते हैं। लिहाजा परिवार छोड़कर बाहर रहकर रोजी-रोटी कमाने वालों को लक्ष्य करके हमें उन्हें एड्स के खतरों और उससे बचाव के बारे में अधिक जानकारी देने की आवश्यकता है।

डा. श्रीवास्तव विश्व एड्स दिवस पर गोरखपुर विश्वविद्यालय में गोरखपुर विश्वविद्यालय महिला कल्याण परिषद द्वारा आयोजित एक दिवसीय कर्कशाप में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहीं थी। बतौर विशिष्ट अतिथि विवि की प्रथम महिला प्रो. मधु कुमार ने एचआईवी वायरस और इस पर होने वाले शोध और वैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा की। इससे पहले कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इससे उपरांत परिषद की अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कर्कशाप के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र के समापन कार्यक्रम को आयोजन सचिव डा. दिव्या रानी सिंह ने आभार ज्ञापित किया। द्वितीय सत्र की परिचर्चा में मास्टर ट्रेनर्स डा. शीला सिंह, डा. अशोक सिंह, डा. प्रेम लता, डा. सुशील तिवारी, कार्यक्रम संयोजिका डा. अनुभूति दुबे ने एचआईवी से बचाव, व्यवहार परिवर्तन व जीवन शैली पर प्रकाश डाला।

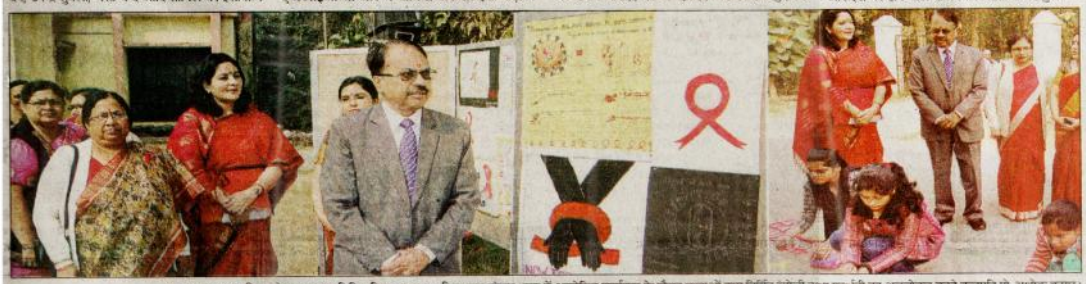

एड्स जागरूकता दिवस के अवसर पर विवि महिला कल्याण परिषद द्वारा संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा निर्मित रंगोली तथा प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. अशोक कुमार।

गोरखपुर, बुधवार, 2 दिसम्बर, 2015 सिटी टाइम्स

एड्स बचाव का प्रमुख अस्त्र नियंत्रित पारिवारिक जीवन: डा. अविनाश

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। संयम और नियंत्रित पारिवारिक जीवन ही एड्स जैसी गंभीर और असाध्य बीमारी से बचाव का प्रमुख अस्त्र है। आज की पाश्चात्य एवं भौतिकवादी जीवन दृष्टि ने तमाम विकृतियों को जन्म दिया है। उनमें से एड्स की बीमारी भी एक प्रमुख विकृति है।

उक्त बातें विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक/सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कार्यक्र म अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा। यद्यपि की पश्चिम के तमाम प्रभाव के बाद भी भारत में इतनी बड़ी जनसंख्या के बावजूद एड्स दुनिया की तुलना में कम पैर पसार सका है। इसका सबसे बड़ा कारण नियंत्रित पारिवारिक जीवन जो भारतीय सामाजिक व्यवस्था का आधार स्तम्भ रहा है, को माना जा सकता है क्योंकि अशिक्षा और जागरू कता और स्वास्थ्य सतर्कता कम होने के बावजूद यदि भारत में यह ला-इलाज बीमारी का प्रसार दुनिया की तुलना में कम हुआ है तो इसका कारण हमारी संस्कृति रही है। इसलिए जागरू कता और सुरक्षा एड्स से बचने के लिए महत्वपूर्ण तो है साथ ही साथ दुनिया यदि भारतीय जीवन पद्धति के इन मूलमंत्रों को अपना लें तो स्थाई रू प से एड्स जैसी महामारी के प्रसार से बचा जा सकता है। इस अवसर पर जनजागरू कता रैली का आयोजन किया गया, जो महाविद्यालय परिसर से होते हुए मंझरिया, हसनगंज, जंगल धूसड़ होते हुए महाविद्यालय परिसर पहुँची। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के महाराणा प्रताप एवं गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई के स्वयं सेवक/सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। इस रैली में एच.आई.वी./एड्स से सम्बन्धित नारों के द्वारा लोगों को मानवजनित संक्रमित बीमारी के प्रति सचेत करने का प्रयास किया गया।

जन-जागरूकता रैली निकालती राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक/सेविकाएं।

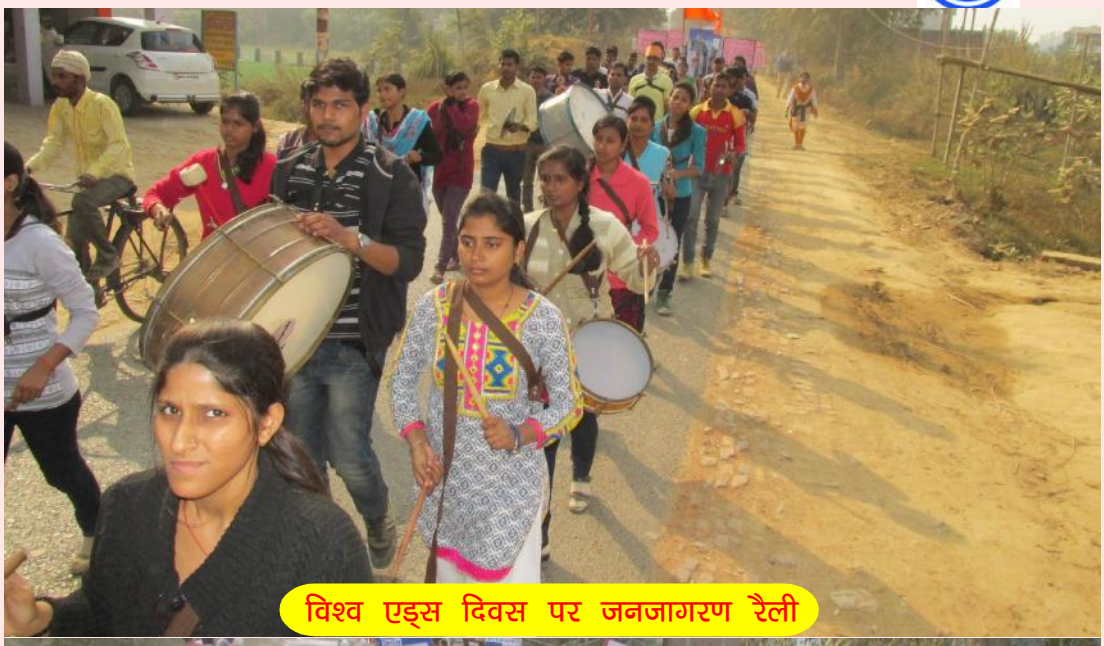

विश्व एड्स दिवस पर जनजागरण रैली

विश्व एड्स दिवस पर जनजागरण रैली

विश्व एड्स दिवस पर जनजागरण रैली

जनजागरण रैली

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह 4 दिसम्बर को महानगर में भव्य शोभा यात्रा के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संरक्षण, आतंकवाद, विज्ञान, नैतिकता इत्यादि से सम्बन्धित जनजागरण रैली का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना ने सक्रिय सहभाग किया।

जनजागरण रैली

जनजागरण रैली

जनजागरण रैली

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

7 दिसम्बर 2015 को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक/सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आज के समय में भारतीय सेना का योगदान युद्ध और आपदाओं के समय अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गया है। वह प्राणदायिनी के रूप में हमको दुश्मनों से रक्षा तो करती है साथ ही साथ प्राकृतिक आपदाओं के समय उसका सहयोग अतुलनीय है। कार्यक्रम को महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक प्रत्येक चुनौती का सामना करते के लिए हमेशा तैयार है। विपरीत परिस्थितियों में भी अपने प्राणों की बाजी लगाकर भारत माँ की सुरक्षा को अक्षुण्ण रखने वाली भारतीय सेना की गौरव जन–जन तक पहुँचाने का लक्ष्य स्वयं सेवकों/सेविकाओं को स्वीकार करना चाहिए। भारतीय सेना पर प्रत्येक भारतवासी को गर्व होना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को सेना के उत्साहबर्द्धन का जब भी अवसर आये आगे बढ़कर करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ति गुप्ता, सुश्री अंजलि, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं डॉ. यशवंत कुमार राव ने भी सम्बोधित किया। इससे पूर्व भारतीय झण्डे को सम्मान देने एवं भारतीय सेना का उत्साहवर्द्धन हेतु स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं तथा शिक्षकों को वितरित किया गया।

स्पष्ट आवाज़

मंगलवार, 8 दिसम्बर, 2015

साहस और अतुलनीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना : डा. विजय

गोरखपुर। भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठानें की कोशिश की तब तब सीमा पर अडिग खड़े सैनिकों ने जान की बाजी लगातें हुए उनका मुहँ तोड़ जवाब दिया है। अद्म्य साहस और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरें में अकिंत है। हम सबको चीन का आक्रमण याद रखना चाहिए जिसमें भारतीय सैनिक सामान्य साजों समान के बगैर भी सीना तानें चीनियों का मुहँ तोड़ जवाब दे रहें थें। भारत का एक-एक जवान यह जानतें हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि से अत्यन्त कमजोर है फिर भी जान की परवाह किये बगैर अन्तिम क्षण तक धरती माँ को अक्षुण रखनें के लिए सब कुछ दाँव पर लगा दिया। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जगंल धूसड़ , गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार चौधरी ने कही।इस अवसर पर मुख्य नियन्ता डा0 आर0एन0 सिंह ने कहा कि न केवल बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रहारों का जवाब देनें में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सने ाओ की सेवाओं का ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़िय ाँ भी युगो तक रहेंगी। अपनी जान की बाजी लगाकर संकट में फँसे हर एक नागरीक को सुरक्षित करना मानों उनकों नया जीवन देनें जैसा है। इसलिए आज प्रत्येंक भारतीय यह कर्तव्य एवं धर्म

होना चाहिए कि शहीद सैनिकों के पुर्नवास का हिस्सा बनें बल्कि अपने मन मस्तिष्क में सम्मान और स्नेह का चित्र उभर कर सामनें आयें। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डें के

स्टीकर को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सम्मान के साथ अपने सिनें पर लगाया। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डा0 अविनाश प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा0 यशवन्त कुमार राव, डा0 कृष्ण कुमार, डा0 प्रियदर्शी, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दिसीगुप्ता, सुश्री अंजलि सहित छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

पायनियर

लखनऊ, मंगलवार, 8 दिसम्बर, 2015

'भारत की सशस्त्र सेना का त्याग व बलिदान अविस्मरणीय'

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठानें की कोशिश की तब तब सीमा पर अडिग खड़े सैनिकों ने जान की बाजी लगाते हुए उनका मुंह तोड़ जवाब दिया है। अदम्य साहस और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। हम सबको चीन का आक्रमण याद रखना चाहिए जिसमें भारतीय सैनिक सामान्य साजों समान के बगैर भी सीना तानें चीनियों का मुहँ तोड़ जवाब दे रहें थें। भारत का एक-एक जवान यह जानतें हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि से अत्यन्त कमजोर है फिर भी जान की परवाह किये बगैर अन्तिम क्षण तक धरती माँ को अक्षुण रखनें के लिए सब कुछ दाँव पर लगा दिया। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जगंल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी ने कही। इस अवसर पर मुख्य नियन्ता डा. आरएन सिंह ने कहा कि न केवल बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रहारों का जवाब देनें में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सेनाओं की सेवाओं का ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियाँ भी युगों तक रहेंगी। अपनी जान की बाजी लगाकर संकट में फँसे हर एक नागरीक कों सुरक्षित करना मानों उनकों नया जीवन देनें जैसा है। इसलिए आज प्रत्येंक भारतीय यह कर्तव्य एवं धर्म होना चाहिए कि शहीद सैनिकों के पुर्नवास का हिस्सा बनें बल्कि अपने मन मस्तिष्क में सम्मान और स्नेह का चित्र उभर कर सामनें आयें। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डे के स्टीकर को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सम्मान के साथ अपने सिनें पर लगाया। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा. यशवन्त कुमार राव, डा. कृष्ण कुमार, डा. प्रियदर्शी, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दिसी गुप्ता, सुश्री अंजलि सहित छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

गोरखपुर, मंगलवार, 8 दिसम्बर, 2015 सिटी टाइम्स

भारतीय सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय: डा. विजय

कार्यक्रम में मंचासीन मुख्य अतिथि तथा अन्य, कार्यक्रम भाग लेते छात्र-छात्राएं। सिटी टाइम्स

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब जब दुश्मनों

ने भारत की तरफ नजर उठानें की कोशिश की तब तब सीमा पर अडिग खडे सैनिकों ने जान की बाजी लगातें हुए उनका मुहँ तोड़ जवाब दिया है। अद्म्य साहस और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अकिंत है। हम सबको चीन का आक्रमण याद रखना चाहिए जिसमें भारतीय. सैनिक सामान्य साजों समान के बगैर भी सीना तानें चीनियों का मुहँ तोड़ जवाब दे रहें थें। भारत का एक-एक जवान यह जानतें हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि

प्राकृतिक आपदाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सनोओं का योगदान महत्वपूर्ण डा. आर.एन. सिंह

से अत्यन्त कमजोर है फिर भी जान की परवाह किये बगैर अन्तिम क्षण तक धरती माँ को अक्षुण रखनें के लिए सब कुछ दाँव पर लगा दिया।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जगंल धूसड़ , गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी ने कही। इस अवसर पर मुख्य नियन्ता डा. आर.एन. सिंह ने कहा कि न केवल बाहरी आक्रमण एवं

आतंकवादी प्रहारों का जवाब देनें में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सनोओ की सेवाओ का ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़िय ाँ भी युगो तक रहेंगी। अपनी जान की बाजी लगाकर संकट में फँसे हर एक नागरीक कों सुरक्षित करना

मानों उनकों नया जीवन देनें जैसा है। इसलिए आज प्रत्येंक भारतीय यह कर्तव्य एवं धर्म होना चाहिए कि शहीद सैनिकों के पुर्नवास का हिस्सा बनें बल्कि अपने मन मस्तिष्क में सम्मान और स्नेह का चित्र उभर कर सामनें आयें। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डे के स्टीकर को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सम्मान के साथ अपने सिनें पर लगाया। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा. यशवन्त कुमार राव, डा. कृष्ण कुमार, डा. प्रियदर्शी, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दिप्ती गुप्ता, सुश्री अंजलि सहित छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

आज

गोरखपुर मंगलवार, ८ दिसम्बर २०१५

सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय-डा. चौधरी

गोरखपुर, ७ दिसंबर। भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठाने की कोशिश की तब तब सीमा पर अडिग खडे सैनिकों ने जान की बाजी लगाते हुए उनका मुंहतोड़ जवाब दिया है। अदम्य साहस और अतुलनीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। हम सबको चीन का आक्रमण याद रखना चाहिये जिसमें भारतीय सैनिक

सामान्य साजो सामान के बगैर भी सीना ताने चीनियों का मुंह तोड़ जवाब दे रहे थे। भारत का एक एक जवान यह जानते हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि से अत्यंत कमजोर है फिर भी जान की परवाह किये बगैर अंतिम क्षण तक धरती मां को अक्षुण रखने के लिये सब कुछ दांव पर लगा दिया। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्षा डा. विजय कुमार चौधरी ने कही। मुख्य नियंता डा. आरएन सिंह ने कहा कि न केवल बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रहारों का जवाब देने में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सेनाओं की सेवाओं । ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी युगों तक रहेंगी। अपनी जान की बाजी लगाकर संकट में फंसे हर एक नागरिक को सुरक्षित करना मानों उनको नया जीवन देने जैसा है। अंत में कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा. यशवंत कुमार राव, डा. कृष्ण कुमार, डा. प्रियदर्शी, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दिप्ती गुप्ता, सुश्री अंजलि सहित छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में. **स्वतंत्र चेतना** गोरखपुर,मंगलवार, 08 दिसम्बर , 2015

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते डा. विजय कुमार एवं मंचासीन अन्य अतिथिगण।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

अदम्य साहस और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत हैं सेना के जवान

❐ सशस्त्र सेना झण्डा को विद्यार्थियों ने सिने पर लगाया

गोरखपुर। भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब-जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठाने की कोशिश की तब तब सीमा पर अड़िग खड़े सैनिकों ने जान की बाजी लगाते हुए उनका मुंह तोड़ जवाब दिया है। अद्भ्य साहब और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी ने कहीं।

उन्होंने आगे कहा कि हम सबकों चीन का आक्रमण याद रखना चाहिए जिसमें भारतीय सैनिक सामान्य साजों समान के बगैर भी सीना ताने चीनियों का मुंह तोड़ जवाब दे रहे थे। भारत का एक-एक जवान यह जानते हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि से अत्यन्त कमजोर है फिर भी जान की परवाह किये बगैर अंतिम क्षण तक धरती मां को अक्षुण रखने के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया था।

इस अवसर पर मुख्य नियन्ता डा. आरएन सिंह ने कहाकि न केवल बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रशरों का जवाब देने में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपेक्षाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सेनाओं की सेवाओं का ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी युगों तक रहेंगी।सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डें के स्टीकर को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सम्मान के साथ अपने सिने पर लगाया।

इस अवसर पर डा. यशवंत कुमार राव, डा. कृष्ण कुमार, डा. प्रियदर्शी, पुष्पा निषाद, दिप्ती गुप्ता, अंजली सहित अनेक छात्र-छात्राये उपस्थित थे।

चेतना विचारधारा गोरखपुर,08 दिसम्बर 2015

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते डा. विजय कुमार एवं मंचासीन अन्य अतिथिगण।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

अदम्य साहस और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत हैं सेना के जवान

❐ सशस्त्र सेना झण्डा को विद्यार्थियों ने सिने पर लगाया

गोरखपुर। भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब-जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठाने की कोशिश की तब तब सीमा पर अड़िग खड़े सैनिकों ने जान की बाजी लगाते हुए उनका मुंह तोड़ जवाब दिया है। अद्भ्य साहब और अतुल्नीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि हम सबकों चीन का आक्रमण याद रखना चाहिए जिसमें भारतीय सैनिक सामान्य साजों समान के बगैर भी सीना ताने चीनियों का मुंह तोड़ जवाब दे रहे थे। भारत का एक-एक जवान यह जानते हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि से अत्यन्त कमजोर है फिर भी जान की परवाह किये बगैर अंतिम क्षण तक धरती मां को अक्षुण रखने के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया था। इस अवसर पर मुख्य नियन्ता डा. आरएन सिंह ने कहाकि न केवल बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रशरों का जवाब देने में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपेक्षाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सेनाओं की सेवाओं का ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी युगों तक रहेंगी।सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डें के स्टीकर को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सम्मान के साथ अपने सिने पर लगाया।

इस अवसर पर डा. यशवंत कुमार राव, डा. कृष्ण कुमार, डा. प्रियदर्शी, पुष्पा निषाद, दिप्ती गुप्ता, अंजली सहित अनेक छात्र-छात्राये उपस्थित थे।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र भारत | मंगलवार, 8 दिसम्बर 2015

स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है भारतीय सेना का गौरवशाली इतिहास-डॉ. विजय

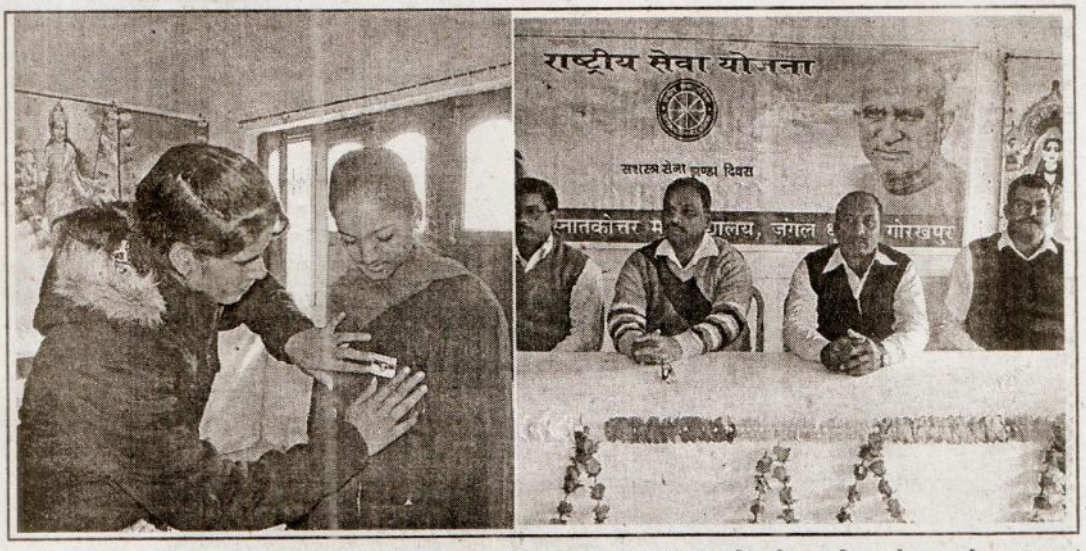

गोरखपुर। भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठानें की कोशिश की तब तब सीमा पर अडिग खड़े सैनिकों ने जान की बाजी लगातें हुए उनका मुहँ तोड़ जवाब दिया है। अदम्य साहस और अतुलनीय राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अकिंत है। हम सबको चीन का आक्रमण याद रखना चाहिए जिसमें भारतीय सैनिक सामान्य सांजों सम्मान के बगैर भी सीना तानें चीनियों का मुहँ तोड़ जवाब दे रहें थें।

भारत का एक-एक जवान यह जानतें हुए भी हम दुश्मन की अपेक्षा हथियारों और युद्धक सामग्री की दृष्टि से अत्यन्त कमजोर है फ़िर भी जान की परवाह किये बगैर अन्तिम क्षण तक धरती माँ को अक्षुण रखनें के लिए सब कुछ दाँव पर लगा दिया। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़ , गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार चौधरी ने कहीं। इस अवसर पर मुख्य नियन्ता डा0 आर0एन0 सिंह ने कहा कि न केवल बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रहारों का जवाब देनें में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकटों के समय इन सशस्त्र सेनाओ की सेवाओ का ऋणी न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियाँ भी युगो तक रहेंगी। अपनी जान की बाजी लगाकर संकट में फँसे हर एक नागरीक को सुरक्षित करनामानों उनको नया जीवन देनें जैसा है। इसलिए आज प्रत्येक भारतीय यह कर्तव्य एवं धर्म होना चाहिए कि शहीद सैनिकों के पुर्नवास का हिस्सा बनें बल्कि अपने मन मस्तिष्क में सम्मान और स्नेह का चित्र उभर कर सामनें आयें। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डें के स्टीकर को छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सम्मान के साथ अपने सिनें पर लगाया।

अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डा0 अविनाश प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा0 यशवन्त कुमार राव, डा0 कृष्ण कुमार, डा0 प्रियदर्शी, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दिप्ती गुप्ता, सुश्री अंजलि सहित छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

दैनिक जागरण | गोरखपुर, 8 दिसंबर 2015

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सहयोग की अपील

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर जिलाधिकारी रंजन कुमार ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस का स्टीकर लगाकर जनपद में अभियान 2015-16 का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने दान पेटिका में अपना योगदान भी दिया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण व पुनर्वास अधिकारी मेजर राम मोहन पांडेय (अप्रा) व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लव कुमार ने सशस्त्र सेना दिवस का स्टीकर लगाकर दान पेटिका में योगदान दिया। कार्यक्रम में राकेश भारती, ऊषा देवी, रामनाथ, रामाज्ञा प्रसाद, बैजनाथ गुप्ता व अरविंद सिंह उपस्थित थे।

सेनाओं का योगदान अतुलनीय

गोरखपुर : भारत की सशस्त्र सेना का त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है। जब- जब दुश्मनों ने भारत की तरफ नजर उठाने की कोशिश की तब-तब सीमा पर अडिग खड़े सैनिकों ने जान की बाजी लगाते हुए उनका मुंह तोड़ जवाब दिया है। अदम्य साहस और अतुलनीय राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों का योगदान इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी ने कही। मुख्य नियन्ता डा. आरएन सिंह ने कहा कि बाहरी आक्रमण एवं आतंकवादी प्रहारों का जवाब देने में भारतीय सशस्त्र सेना का योगदान अनुकरणीय है।

क्या है झंडा दिवस

'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' का नामकरण कैबिनेट की डिफेंस कमेटी ने 1948 में सर्वसम्मति से निर्धारित किया था। 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' देश की आम जनता के सहयोग से युद्ध में शहीद सैनिक परिवारों के पुनर्वास, सेवारत सैनिकों एवं उनके परिवारों व भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याणार्थ मनाया जाता है। इस दिन देश के नागरिक व स्वयंसेवी संस्थाएं पूरे देश में टोकन फ्लैग और कार स्टीकर के बदले आम जनता से आर्थिक सहयोग प्राप्त करते हैं। टोकन फ्लैग व कार स्टीकर के लाल, नीला व हल्का नीला कलर सेना के तीनों अंगों को दर्शाते हैं।

हिन्दुस्तान

गोरखपुर • मंगलवार • 08 दिसम्बर 2015

एमपीपीजी में मनाया गया झंडा दिवस

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में सोमवार को झंडा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूगोल विभागाध्यक्ष डा.विजय कुमार चौधरी, मुख्य नियंता डा.आर.एन.सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार राव, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. प्रियदर्शी, पुष्पा निषाद मौजूद थीं।

कार्यक्रम में मंचासीन प्राध्यापकगण

कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सेविकाएं

स्वयं सेवकों को झण्डा लगाते डॉ. विजय कुमार चौधरी

स्वयं सेवकों को झण्डा लगाते डॉ. रघुबीर नारायण सिंह

स्वयं सेविका को झण्डा लगातीं बी.एड. विभागाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा निषाद

झण्डा दिवस के अवसर पर

झण्डा दिवस के अवसर पर

झण्डा दिवस के अवसर पर

द्वितीय एक दिवसीय शिविर

20 दिसम्बर 2015 को गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गांव में आयोजित किया गया। गांव में साफ–सफाई रखने हेतु प्रेरित करने के लिए स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं द्वारा नालियों और सड़कों की साफ–सफाई की गयी। साथ ही दूषित जल पीने से होने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गये। इस शिविर में इन्सेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से बचने के उपायों पर भी स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने लोगों के जानकारी दी। विशेष रूप से गांव में महिलाओं और बच्चों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, मंगलवार 22 दिसम्बर, 2015

स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ी है

❑ एन.एस.एस. का स्वच्छ ग्राम अभियान का प्रारम्भ

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय शिविर में स्वच्छ ग्राम अभियान का प्रारम्भ करने से पूर्व स्वंय सेवक एवं स्वयं सेविकाओ को प्रोत्साहित करते हुए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि स्वच्छता की आदत व्यक्ति के निजी जीवन का अंग होना चाहिए। स्वच्छता व्यक्तित्व विकास का एक प्रमुख साधन के रूप मे देखा जाना चाहिए। यद्यपि कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढी है लेकिन वह निजी जीवन और संसाधनो तक सीमित होकर रह गयी है लेकिन वह नीजि जीवन और संसाधनो तक सीमित होकर रह गयी है।

सभी लोग इस बात को महसूस कर रहे है कि सार्वजनिक स्थानो पर अपेक्षाकृत गंदगी बढती जा रही है। स्वच्छता के इस अभियान में लगा हुआ राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होना चाहिए कि गांव के प्रत्येक व्यक्ति को जागरुक कर उन्हे अपने घर दरवाजे के साथ साथ पास पडोस की भी स्वच्छता की चिंता हो। क्योंकि भारत की आत्मा गांव में बसती है और भारत गांव का देश है। इसके उपरान्त राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप दोनो इकाईयो के स्वयं सेवक एवं स्वयेसेविकाओ द्वारा जंगल धूसड़ ग्राम सभा के हसनगंज एवं बडी जमुनहियां गांव मे सफाई का अभियान चलाने पूर्व रैली के रूप मे पहुचे लोगो को जागरूक किया गया तथा उन्हे इस बात की जानकारी दी गयी कि साफ सफाई के द्वारा तमाम जानलेवा बीमारियों से भी बचा जा सकता है विशेष रूप से मच्छर पैदा होने और उसके काटने से हो रहे नुकसान को स्वच्छता के द्वारा कैसे उससे बचा जा सकता है इस बात कि जानकारी स्वंय सेवको द्वारा ग्राम वासियों को दी गयी।

जागरूकता रैली में भाग लेती छात्राएं।

समाचार पत्रों में...

अमर उजाला
गोरखपुर | मंगलवार | 22 दिसंबर 2015

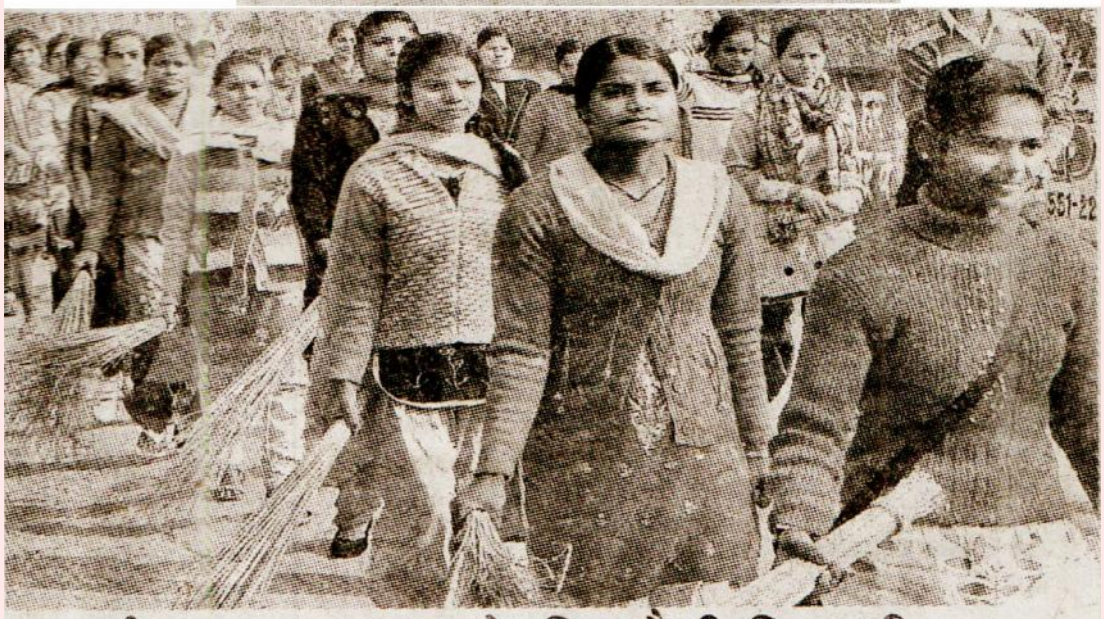

सफाई पर जागरूकता के लिए रैली निकाली

गोरखपुर। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनएसएस के शिविर में स्वयं सेवकों ने जंगल धूसड़ के हसनगंज और बड़ी जमुनहियां गांव में सफाई के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि स्वच्छता हर व्यक्ति की दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए।

स्वतंत्र भारत
गोरखपुर महानगर
मंगलवार, 22 दिसंबर 2015

स्वच्छता की आदत व्यक्ति के निजी जीवन का अंग होना चाहिए

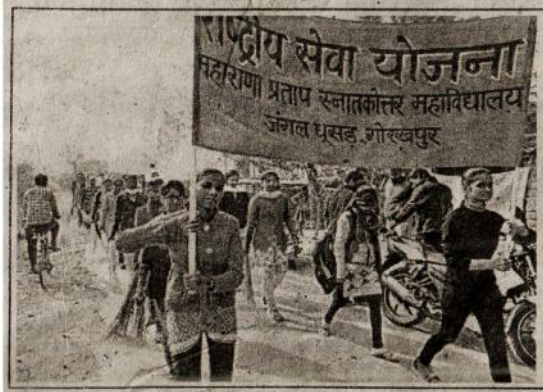

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के एकदिवसीय शिविर में स्वच्छ ग्राम अभियान का प्रारम्भ करने से पूर्व स्वंय सेवक एवं स्वंय सेविकाओं को प्रोत्साहित करते हुए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि स्वच्छता की आदत व्यक्ति के निजी जीवन का अंग होना चाहिए। स्वच्छता व्यक्तित्व विकास का एक प्रमुख साध न के रूप में देखा जाना चाहिए। यद्यपि कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है। लेकिन वह निजी जीवन और संसाधनों तक सीमित होकर रह गयी है। सभी लोग इस बात को महसूस कर रहे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर अपेक्षाकृत गन्दगी बढ़ती जा रही है। हम सभी लोग इस बात को जानते है कि स्वच्छ वातावरण में ही स्वस्थ व्यक्ति बना रह सकता है। विशेष रूप से गॉव के लोगों के सोच में भी इस दृष्टि से भी गिरावट आयी है। उनका घर और दरवाजा साफ-सुथरा होता है। लेकिन गली नाली और सड़क अत्यन्त ही गन्दगी से भरा होता है। इसकी चिंता की जानी चाहिए। स्वच्छता के इस अभियान में लगा हुआ राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होना चाहिए कि गॉव के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक कर उन्हें अपने घर दरवाजें के साथ साथ पास पड़ोस की भी स्वच्छता की चिंता हो। थोड़े से प्रयास के द्वारा न केवल गॉव स्वच्छ और सुन्दर बनाया जा सकता है कि बल्कि उन्हें स्वस्थ गॉव के रूप में भी विकसित कर स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। क्योंकि भारत की आत्मा गॉव मे बसती है और भारत गॉव का देश है। गॉव उत्थान एवं उन्नति भारत की उन्नति निहित है। इसके उपरान्त राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्री गोरक्षनाथ एंव हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप दोनों इकाईयों के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा जंगल धूसड़ ग्राम सभा के हसनगंज एंव बड़ी जमुनहियां गॉव में सफाई का अभियान चलाने पूर्व रैली के रूप मे पहुँचे लोगा को जागरूक किया गया तथा उन्हे साफ सफाई के द्वारा तमाम जानलेवा बीमारियों से भी बचा जा सकता है। विशेष रूप से मच्छर पैदा होने और उसके काटने से हो रहें नुकसान को स्वच्छता के द्वारा कैसे उससे बचा जा सकता है इस बात कि जानकारी स्वंय सेवकों द्वारा ग्राम वासियों को दी गयी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधि कारी डा0 यशवन्त कुमार राव क्रीड़ा प्रभारी डा0 मृत्युंजय सिंह पूर्व स्वयं सेवक अजीत राय, अनुपम त्रिपाठी की देख रेख एवं सहयोग से यह अभियान सम्पन्न हुआ।

स्वच्छता अभियान में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं

स्वच्छता अभियान में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं

स्वच्छता अभियान में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं

अभिगृहित गाँव में श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

अभिगृहित गाँव में श्रमदान करते स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं

अभिगृहित गाँव में श्रमदान करते स्वयं सेवक

भारत–भारती पखवारा : उद्घाटन कार्यक्रम
स्वामी विवेकानन्द जयंती समारोह

12 जनवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 12 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाली भारत–भारती पखवारा का शुभारम्भ स्वामी विवेकानन्द 53वीं जयन्ती समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रताप सिंह ने स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द कहा करते थे कि प्रत्येक भारतीय भारत माता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का ऋणी है। स्वामी विवेकानन्द ने भारत निर्माण का जो मार्ग दिखाया है उस पर चलकर भारत को विश्व गुरू बनाया जा सकता है। स्वामी जी के चिन्तन के मुख्य केन्द्र में युवा ही है। युवाओं के कन्धे पर ही राष्ट्र निर्माण की महती जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का चिन्तन न केवल भारत को चुनौतियों से लड़ने की क्षमता पैदा करेगा बल्कि विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करेन का सामर्थ्य स्वामी जी के चिंतन में है। इसके पूर्व सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना गीत स्वयं सेविकाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता जी सहित स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetna.in
गोरखपुर, बुधवार, 13 जनवरी 2016

युग द्रष्टा स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक चैतन्यता के संस्थापक

स्वामी जी को लोगों ने किया याद

युवाओं के प्रेरणाश्रोत है स्वामी: महापौर

स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा ले युवा: गोरखलाल

स्वामी का धर्म दर्शन और चिंतन प्रासंगिक: प्रो. प्रताप

प्रतिमा की हुई साफ सफाई

विवेकानन्द की मूर्ति पर माल्यार्पण करते छात्र।

समाचार पत्रों में...

आज गोरखपुर
गोरखपुर, बुधवार, १३ जनवरी २०१६

गोरखपुर क्लब में युवा महोत्सव के कार्यक्रम में स्मारिका विमोचन अवसर पर सदर सांसद योगी आदित्यनाथ एवं विवेकानन्द जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करते डा. रुप कुमार बनर्जी व अन्य।

स्वामी विवेकानन्द के विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान

निज प्रतिनिधि

गोरखपुर, १२ जनवरी। स्वामी विवेकानन्द की १५३ वीं जयंती के अवसर पर आज विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के द्वारा माल्यार्पण, परिसंवाद, संगोष्ठी एवं सम्मेलनादि कार्यक्रम ससमारोह आयोजित किये गये।

स्थानीय गोरखपुर क्लब में युवा महोत्सव का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसे बतौर मुख्य अतिथि सदर सांसद योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के विचारों से प्रेरणा लेने का उपस्थित युवाओं से आह्वान किया। योगी का स्वागत भाजयुमो के पदाधिकारियों ने किया। महापौर सत्या पाण्डेय ने स्वामी विवेकानन्द की जयंती में आयोजित कार्यक्रम में स्वामीजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक और प्रेरणाप्रद बताया। वेदान्त के प्रकांड विद्वान, आडम्बरों अंधविश्वास अशिक्षा के धुर विरोधी होने के साथ ही विश्व में हिन्दू धर्म की सारगर्भित व्याख्या करने वाले मनीषी स्वामी विवेकानन्द ने स्वयं को न तो कभी जिज्ञासु माना, न सिद्ध पुरुष और न ही एक दार्शनिक। उन्होंने चरित्र निर्माण को ज्यादा महत्वपूर्ण माना। यह विचार राजकीय जुबिली कालेज के प्रधानाचार्य जगदीश नारायण सिंह ने स्वामी विवेकानन्द के विषय में आयोजित परिसंवाद में व्यक्त किये। राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय पदाधिकारी डा. राजेश चन्द्र गुप्त ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने मैकाले की शिक्षा प्रणाली की अव्यावहारिकता पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने इसे निषेधात्मक शिक्षा का परिचालक बताया था। वह बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास पर बल देते थे। उप

❑ स्वामी विवेकानन्द की १५३ वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम ससमारोह हुए आयोजित ❑ स्वामी विवेकानन्द के विचार अभी भी प्रासंगिक–गोरखलाल श्रीवास्तव

प्रधानाचार्य पदमदेव राय ने पाठ्यक्रमों में स्वामी जी के विचारों को स्थान देने पर बल दिया। गोष्ठी में रमेश चन्द्र मिश्र, श्रीनिवास त्रिपाठी, श्री प्रकाश, देवेन्द्रनाथ राय, प्रमोद श्रीवास्तव आदि ने भी विचार व्यक्त किये। महाराणा प्रताप इंटर कालेज के बलरामपुर सभागार में साहित्य परिषद के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य रामजन्म सिंह ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी स्वामी जी ने धैर्य बनाये रखा। इसी से युवाओं के वह प्रेरणास्रोत बने। डा. फूलचंद्र गुप्त, अनिल कुमार, नर्वदेश्वर शाही, राम कृपाल शर्मा, संतोष सिंह, संजय इत्यादि ने विचार व्यक्त किये। संचालन प्रसून कुमार मल्ल ने किया। कायस्थ सेवा संस्थान के द्वारा गोरखलाल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्र संघ चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में माल्यार्पण एवं सभा की गयी। गोरखलाल ने कहा कि स्वामी जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कायस्थ समाज के लोगों को उन पर गर्व है। कार्यक्रम में डा. पवन श्रीवास्तव, अजय शंकर श्रीवास्तव, सुमन, विवेक, निशिबाला, ज्ञानचन्द्र, सत्येन्द्र, अनिल, विनोद इत्यादि ने भी विचार व्यक्त किये तथा उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। जगन्नाथपुर दुर्गा पार्क के समीप स्वामी विवेकानन्द सेवा मिशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को प्रदेश प्रभारी डा. विनय एवं रुक्मिणी पाण्डेय समेत हरिओम द्विवेदी, एसपी विशारद, मारकंडेय त्रिपाठी, राजेश, अजित, दुर्गेश इत्यादि ने भी संबोधित किया। भारतीय युवा जन कल्याण समिति के तत्वावधान में राजेन्द्र नगर गोकुलधाम में कुलदीप पाण्डेय की अध्यक्षता में युवा महोत्सव का ससमारोह आयोजन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के युवा प्रकोष्ठ से संबद्ध लोगों ने आजाद चौक स्थित कैंप कार्यालय पर युवा दिवस के रूप में स्वामी विवेकानन्द की १५३ वीं जयंती मनायी। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में भारत भारती पखवारा का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रो. प्रताप सिंह ने किया। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रेरक बताया। विशिष्ट अतिथि डा. विजय चौधरी समेत डा. मृत्युंजय, दीप्ति गुप्ता, यशवंत राव इत्यादि ने विचार व्यक्त किये। संचालन डा. अविनाश सिंह ने किया।

सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सूरजकुंड में आयोजित कार्यक्रम में डा. राज्यश्री बनर्जी, विशिष्ट अतिथि डा. ओमजी उपाध्याय समेत व्यास श्रीवास्तव आदि ने विचार व्यक्त किये। स्मारिका विवेकपथ का विमोचन किया गया। बच्चों के सराहनीय कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां की गयीं। नवल्स पीजी कुसुम्ही में रासेयो के तत्वावधान में आयोजित सभा को बतौर मुख्य अतिथि डा. ओम जी उपाध्याय ने संबोधित किया। संचालन डा. अभय ने किया। उ.प्र. भारत स्काउट एवं गाइड के द्वारा सिविल लाइन्स स्थित अयोध्या दास कुटीर में युवा दिवस समारोह मनाया गया तथा रैली निकाली गयी। मुख्यायुक्त रामजन्म सिंह ने विवेकानन्द के विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। बांसगांव प्रतिनिधि के अनुसार जवाहर लाल नेहरू पीजी में रासेयो के द्वारा विवेकानन्द की १५३ वीं जयंती पर आज से युवा सप्ताह प्रारंभ हुआ। प्रबंधक चतुर्भुज सिंह, डा. अंशुमान त्रिपाठी, प्राचार्य डा. भूपेश सिंह, रेवती रमण पाण्डेय इत्यादि ने संबोधित किया। संचालन शीतला मौर्या ने किया। कालेज परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इसी क्रम में मझगांव स्थित सनशाइन पब्लिक एकेडमी में भी स्वामी विवेकानन्द की जयंती ससमारोह मनायी गयी।

चेतना विचारधारा
गोरखपुर, 13 जनवरी, 2016 7

स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण करती महापौर एबीवीपी के सदस्य छात्र तथा विवि गेट पर स्वामी विवेकानन्द की जयंती मनाते छात्र।

युगद्रष्टा स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक चैतन्यता के पुरोधा

❑ स्वामी जी को लोगों ने किया याद

गोरखपुर। स्वामी विवेकानन्द की 153वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न [illegible] द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया साथ ही उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लोगों ने किया।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयंती पर आयोजित स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति एवं संविधान विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य [illegible] प्रो. अनिरुद्ध प्रसाद ने कहा कि सन् 1960 का दशक भारतीय संस्कृति के [illegible] विधि के विकास के समतुल्य बेहद महत्वपूर्ण काल रहा है क्योंकि इस दशक में भारत को सांस्कृतिक नवचैतन्यता देने वाले तीन महत्वपूर्ण महापुरुषों का अवतरण हुआ जिनमें रविन्द्रनाथ टैगोर स्वामी विवेकानन्द तथा महात्मा गांधी प्रमुख है।

उन्होंने कहा कि संस्कृति का वास्तविक अर्थ सम्यक् विचारोपरान्त किया गया कार्य है। संविधान के संबंध में धर्म को लौकिक संदर्भ में लिया गया है। भारत में धर्म स्वयं में सबसे बड़ा सेकुलर शब्द है। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित इस संगोष्ठी का उद्‌घाटन दीप प्रज्ज्वलन और स्वामी विवेकानंद के [illegible] पर माल्यार्पण द्वारा किया गया।

युवाओं के प्रेरणाश्रोत है स्वामी: महापौर :– स्वामी विवेकानंद [illegible] के अवसर पर महापौर डा. सत्या पाण्डेय, नगर आयुक्त राजेश एवं प्रभारी उपनगर आयुक्त तथा अन्य लोगों ने छात्रसंघ चौराहे पर स्थापित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के उपरांत उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महापौर ने कहा कि आधुनिक युग में संतों में अग्रणी स्वामी विवेकानंद रहे हैं। स्वामी जी द्वारा कहा गया था कि उठो मेरे शेरो, इस भ्रम को मिटा दो की तुम तत्व के सेवक नही हो। ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से हमारी है वो हम है जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते है और फिर रोते है कि कितना अंधकार है उठो, जागो और तब तक नहीं रूको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये। उन्होंने कहा कि स्वामी युवाओं के प्रेरणास्रोत, युग प्रवर्तक थे।

इस मौके पर डा. विजय चौधरी, डा. मृत्युंजय कुमार, दीप्ती गुप्ता, डा. यशवंत राव, डा. अविनाश प्रताप सिंह उपस्थित थे।

– स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा ले युवा: गोरखलाल :– कायस्थ सेवा संस्थान द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों एवं विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र एवं समाज हित में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरखलाल श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी के विचार वर्तमान परिवेश में भी प्रासंगिक है तथा युवा शक्ति को उनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान प्रदान करना चाहिए।

स्वामी का धर्म दर्शन और चिंतन प्रासंगिक: प्रो. प्रताप :– आतंकवाद और उन्माद से निकलने का मार्ग विश्व को भारतीय चिंतन प्रदान कर सकता है। आध्यात्मिक सम्पन्नता और भौतिक समृद्धि विश्व कल्याण की संजीवनी है। आध्यात्म के द्वारा मनुष्य में आन्तरिक शक्ति और भौतिक समृद्धि द्वारा वाह्य आवश्यकताओं की पूर्ति के द्वारा वर्तमान परिवेश में उन्नति संभव है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना और क्रीडा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत भारती [illegible] का उद्‌घाटन करते हुए स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह में गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रताप सिंह ने कही।

इस अवसर पर सुमन श्रीवास्तव, निशिबाला श्रीवास्तव, विवेक कुमार, ज्ञानचन्द श्रीवास्तव, सत्येन्द्र कुमार, विनोद कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

इसी क्रम में दिवानी न्यायालय के प्रांगण में युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद के जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मुख्य वक्ता सुशील चन्द [illegible] ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत के महान सपूत, देशभक्त, समाज सुधारक और [illegible] संयासी थे। उन्होंने अपने युवाकाल में ही भारत के गौरव को पूरे विश्व में गौरवान्वित किया।

इस अवसर पर शम्भू नारायण गोयल, [illegible] सिंह, [illegible] सहित अधिक अधिवक्ता उपस्थित थे।

इसी क्रम में राष्ट्रीय विद्यार्थी सभा विश्वविद्यालय इकाई द्वारा स्वामी जी का जयंती मनाया गया।

प्रतिमा की हुई साफ सफाई :– [illegible] द्वारा टाउनहाल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा की साफ सफाई किया गया। उसके उपरांत माल्यार्पण किया गया। [illegible] द्वारा स्वामी विवेकानंद छात्रावास में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति की सफाई कर [illegible] दीपकों से दीपयज्ञ किया गया, [illegible] गयी।

कार्यक्रम में [illegible] सिंह, [illegible] यादव, [illegible] श्रीवास्तव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

प्रो. प्रताप सिंह जी का महाविद्यालय द्वारा सम्मान

कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रो. प्रताप सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापिकाएं एवं स्वयं सेविकाएं

मंच पर उपस्थिति अतिथिगण

कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

कार्यक्रम में आभार ज्ञापित करते कार्यक्रम अधिकारी

मेहंदी प्रतियोगिता

12 जनवरी 2016 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता ने स्वयं सेविकाओं के साथ शिक्षिकाओं ने भी सहभागिता किया।

मेहदी प्रतियोगिता

मेहदी प्रतियोगिता

सेवा कार्य

14 जनवरी 2016 को श्री गोरक्षनाथ मन्दिर में खिचड़ी मेला में सुदूर गांवो से आये श्रद्धालुओं को निर्वाध रूप से महाअवतारी गुरू श्रीगोरक्षनाथ जी का दर्शन और खिचड़ी चढ़वाने में प्रातः 7.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक अनवरत सहयोग करते हुए सेवा कार्य किया।

15 जनवरी 2016 को 20 स्वयं सेवकों रात्रि 12.00 बजे से प्रातः 7.00 बजे तक कड़ाके की ठण्ड के बावजूद खिचड़ी मेला में श्रद्धालु सेवा में लगे रहे।

स्टार्ट–अप इण्डिया कार्यक्रम

16 जनवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'स्टार्ट–अप इण्डिया' कार्यक्रम का दूरदर्शन पर उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त की।

स्टार्ट–अप–इंडिया कार्यक्रम उद्घाटन को देखते स्वयं सेवक

वाद–विवाद प्रतियोगिता

18 जनवरी 2016 को वाद–विवाद प्रतियोगिता ''स्वामी विवेकानन्द और 21वीं शदी का भारत'' विषय पर वाद–विवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं के साथ–साथ शिक्षकों ने भागीदारी की।

वालीबाल प्रतियोगिता

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 18 जनवरी 2016 को गुरू श्रीगोरक्षनाथ स्मृति वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 08 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में प्रतियोगिता का फाइनल मैच योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम और छात्रसंघ की टीम के बीच खेला गया। जिसमें योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम ने छात्रसंघ की टीम को 25–23, 25–18 और 25–22 से हराकर विजयश्री का खिताब अपने नाम किया।

बालिका वर्ग में फाइनल मैच रानी लक्ष्मीबाई टीम और मीराबाई टीम के बीच खेला गया। जिसमें रानी लक्ष्मीबाई टीम को विजेता तथा मीराबाई टीम को उपविजेता घोषित किया गया। फाइनल मैच में रसायन विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. राम सहाय जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि खेल वह दर्पण है जिसमें व्यक्ति के शिक्षा का परिणाम प्रतिविम्बित होता है।

वालीबाल प्रतियोगिता में स्वयं सेवक

स्पष्ट आवाज़

लखनऊ, बुधवार, 20 जनवरी, 2016

गुरू गोरक्षनाथ स्मृति वॉलीबाल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गोरखपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत सोमवार को महाविद्यालय में गुरू गोरक्षनाथ स्मृति वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में प्रतियोगिता का फाइनल मैच योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम और छात्रसंघ के बीच खेला गया। जिसमें योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम की टीम ने छात्रसंघ को 25-23, 25-18 और 25-22 से हराकर विजेता का पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता के फाइनल में रसायन विभाग के प्रवक्ता डॉ0 रामसहाय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि खेल वह दर्पण है, जिसमें व्यक्ति के शिक्षा का परिणाम प्रतिबिम्बित होता है। बालिका वर्ग में फाइनल मैच रानी लक्ष्मीबाई और मीराबाई टीम के बीच खेला गया। जिसमें रानी लक्ष्मीबाई टीम को विजेता और मीराबाई टीम को उपविजेता घोषित किया गया। बलिका वर्ग के फाइनल मैच में बी0एड0 विभाग की प्रवक्ता सुश्री अंजली पासवान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन में क्रीडा प्रभारी डॉ0 मृत्युंजय सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

गायन प्रतियोगिता

18 जनवरी 2016 को आयोजित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति एकल गायन प्रतियोगिता में स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने देश भक्ति गीत, भजन, कविता एवं लोक गीत प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के द्वारा स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं में संगीत और गायन के प्रति रूझान पैदा करते हुए उनमें संवेदना की अभिव्यक्ति को विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी एवं बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका सुश्री दीप्ती गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

गायन प्रतियोगिता में निर्णायकगण

गायन प्रस्तुत करती स्वयं सेविका

महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम

19 जनवरी 2016 को हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि कार्यक्रम का राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने कहा कि महाराणा प्रताप का सम्पूर्ण जीवन त्याग और बलिदान की प्रेरणा देता रहा है। राष्ट्र स्वाभीमान और सम्मान का प्रतीक है महाराणा प्रताप का जीवन चरित्र। उन्होंने विपरित परिस्थितियों में भी अपना सब कुछ न्यौछावर करते हुए देश की आन–बान और सम्मान पर आँच नहीं आने दिया। विशेष रूप से उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व युवाओं में क्षमता और साहस का निरंतर भाव पैदा करता रहेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि भारत के ऐसे सभी महापुरूषों का जीवन इतिहास पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिए। इससे नवयुवकों में आत्म गौरव और राष्ट्रगौरव का बोध होगा। उनमें राष्ट्र प्रेम, त्याग और बलिदान की प्रवृत्ति का विकास होगा। वे अपनी उन्नति के साथ–साथ राष्ट्र की उन्नति में योगदान देने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव तथा आभार ज्ञापन क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। इससे पूर्व स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, महाराणा प्रताप प्रेरणादायी जीवनगीत तथा वन्देमातरम् के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

समाचार पत्रों में...

चेतना विचारधारा
गोरखपुर, 20 जनवरी, 2016

महाराणा प्रताप राष्ट्र प्रेम और आत्म गौरव के प्रतीकः डा.चतुर्वेदी

❑ एमपीपीजी कालेज में महाराणा प्रताप की जयंती पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप राष्ट्र के प्रतीक है और उनका जीवन भारत की पहचान है। भारत के नवजवानों में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन चरित्र को शिक्षा के पाठ्यक्रमो में स्थान देने के जरूरत है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगी।

यह बातें महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर एमपीपीजी कालेज में एनएसएस के तत्तवावधान में आयोजित व्याख्यान में प्रो.हिमाशु चतुर्वेदी, अध्यक्ष मध्यकालीन इतिहास विभाग, डीडीयू ने कही। उन्होने कहा कि समय की मांग है कि नौजवान ऐसे महापुरूषों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर अपने यशस्वी जीवन की रचना करे। आज के अवसर पर यही ऐसे महापुरूष को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता डा.अविनाश प्रताप सिंह ने करते हुए कहा कि आज भारत के सामने महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक का जीवन पाठ्यकमो के माध्यम से प्रस्तुत न करने के कारण युवाओं में राष्ट्रभक्ति, स्वधर्म के प्रति आग्रह, देश समाज के लिए समर्पण के भाव का अभाव हुआ है। वर्तमान की भारत की शिक्षा नीति ने पाठ्यक्रमों में जिस प्रकार से भारत के लिए त्याग बलिदान और शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन मूल्यो को नकारा है यह देश का सबसे बडा दुर्भाग्य है।

कार्यक्रम में प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए डा.यशंवत कुमार राव ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा इस संस्था की स्थापना कर उसका संचालन किया जा रहा है, ताकि यहां पढने वाले छात्र, छात्रा अपने निजी जीवन के साथ-साथ देश और समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सके।

कार्यक्रम में क्रीडा अधीक्षक डा.मृत्युजय सिंह एवं सुश्री दीप्ती गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से डा.विजय चौधरी, डा.शिव बर्नवाल, सुबोध मिश्रा, डा.राजेश, कविता, डा.शक्ति, श्रीकान्त मणि, डा.राम सहाय सहित सभी छात्र, छात्राओ एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetna.in
गोरखपुर, बुधवार, 20 जनवरी 2016

महाराणा प्रताप राष्ट्र प्रेम और आत्म गौरव के प्रतीकः डा.चतुर्वेदी

❑ एमपीपीजी कालेज में महाराणा प्रताप की जयंती पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप राष्ट्र के प्रतीक है और उनका जीवन भारत की पहचान है। भारत के नवजवानों में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन चरित्र को शिक्षा के पाठ्यक्रमो में स्थान देने के जरूरत है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगी।

यह बातें महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर एमपीपीजी कालेज में एनएसएस के तत्तवावधान में आयोजित व्याख्यान में प्रो.हिमाशु चतुर्वेदी, अध्यक्ष मध्यकालीन इतिहास विभाग, डीडीयू ने कही। उन्होने कहा कि समय की मांग है कि नौजवान ऐसे महापुरूषों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर अपने यशस्वी जीवन की रचना करे। आज के अवसर पर यही ऐसे महापुरूष को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता डा.अविनाश प्रताप सिंह ने करते हुए कहा कि आज भारत के सामने महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक का जीवन पाठ्यकमो के माध्यम से प्रस्तुत न करने के कारण युवाओं में राष्ट्रभक्ति, स्वधर्म के प्रति आग्रह, देश समाज के लिए समर्पण के भाव का अभाव हुआ है। वर्तमान की भारत की शिक्षा नीति ने पाठ्यक्रमों में जिस प्रकार से भारत के लिए त्याग बलिदान और शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन मूल्यो को नकारा है यह देश का सबसे बडा दुर्भाग्य है। कार्यक्रम में प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए डा.यशंवत कुमार राव ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा इस संस्था की स्थापना कर उसका संचालन किया जा रहा है, ताकि यहां पढने वाले छात्र, छात्रा अपने निजी जीवन के साथ-साथ देश और समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सके।

कार्यक्रम में क्रीडा अधीक्षक डा.मृत्युजय सिंह एवं सुश्री दीप्ती गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से डा.विजय चौधरी, डा.शिव बर्नवाल, सुबोध मिश्रा, डा.राजेश, कविता, डा.शक्ति, श्रीकान्त मणि, डा.राम सहाय सहित सभी छात्र, छात्राओ एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में...

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि समारोह

राष्ट्र-समाज के लिए त्याग-बलिदान के पर्याय में महाराणा प्रताप : प्रो. हिमांशु

● महाराणा प्रताप का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति को था समर्पित

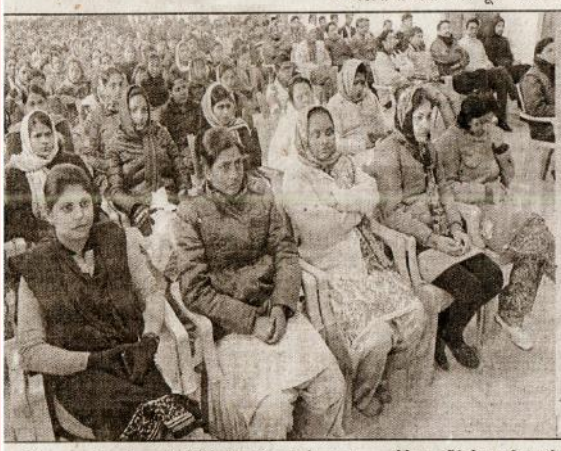

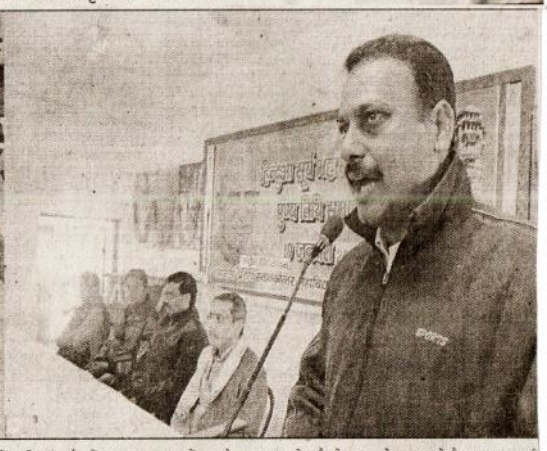

गोरखपुर। भारतीय अस्मिता और सौर्य के प्रतीक हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की सम्पूर्ण जीवन युवाओं का मार्ग दर्शन करता रहेगा। महाराणा प्रताप राष्ट्र के प्रतीक है और उनका जीवन भारत की पहचान है। राष्ट्र-समाज के लिए त्याग-बलिदान के पर्याय है महाराणा प्रताप। भारतीय युवाओं में भारत की सुरक्षा और संरक्षा का संकल्प पैदा करने का माद्दा रखता है महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन। स्वाभिमान, स्वावलम्बन, स्वधर्म के लिए सर्वस्व समर्पण का नाम है महाराणा प्रताप। भारत के नवजवानों में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन चरित्र को शिक्षा के पाठ्यक्रमों में स्थान देने की महति जरूरत है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा राष्ट्र खतरे में होगा, स्वधर्म एवं देश का स्वाभिमान खतरे में होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगी।

उक्त बातें महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि समारोह में बोलते हुए समारोह के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष एवं इतिहासकार प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी ने कही।

प्रोफेसर चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय इतिहास दर्शन में महाराणा प्रताप आत्मगौरव और राष्ट्रप्रेम के अप्रतिम उज्ज्वल प्रदीप्त की तरह विद्यमान है। यद्यपि कि मार्क्सवादी इतिहासकारों की सोच में भारतीय इतिहास से महाराणा प्रताप की गौरव गाथा को नदारत कर दिया है। आज जरूरत इस बात की है कि महाराणा प्रताप की अपराजेय यशस्वी कृति को पुनः स्थापित करके भारत का मार्ग दर्शन करने हेतु युवाओं को प्रेरित कर सकें।

महाराणा प्रताप का पूरा जीवन चरित्र भारतीय संस्कृति और सभ्यता को ताकत प्रदान करता रहा है। राष्ट्रीयता और राष्ट्रप्रेम को अक्षुण्ण रखने के लिए जरूरत है आज मानसिंह की प्रतीक तथाकथित सेकुलर राजनीति के मान-मर्दन के लिए महाराणा प्रताप जैसा नायक चाहिए। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता-अखण्डता की आवश्यक शर्त है देश के गद्दार मानसिंह जैसे लोगों का सर्वनाश। ऐसे लोगों का सर्वनाश महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन ही कर सकता है। शिक्षण संस्थाओं में महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर युवाओं में राष्ट्रवादी चरित्र का निर्माण किया जा सकता है। आज देश में सबसे बड़ा संकट कथनी और करनी में विभेद। हम भारत के महापुरुषों को आदर्श तो मानते हैं लेकिन उनके आदर्शों को जब अपने जीवन में उतारने का अवसर होता है तो हम उससे भटक जाते है। आज समय की मांग है भारत का नौजवान ऐसे महापुरुषों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर अपने यशस्वी जीवन की रचना करें। आज के अवसर पर यही ऐसे महापुरुष को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने करते हुए कहा कि आज भारत के नवयुवकों के सामने महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक का जीवन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत न करने के कारण युवाओं में राष्ट्रभक्ति, स्वधर्म के प्रति आग्रह, देश समाज के लिए समर्पण के भाव का अभाव हुआ है।

वर्तमान की भारत की शिक्षा नीति ने पाठ्यक्रमों में जिस प्रकार से भारत के लिए त्याग-बलिदान और शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन मूल्यों को नकारा है यह देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। आज जिस तरह से देश बाह्य एवं आन्तरिक दोनों प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, जिस तरह से आज नक्सलवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद और आतंकवाद जैसे बड़े संकट से देश गुजर रहा है, उसका एक बड़ा कारण यही है कि हम युवकों को राष्ट्रीय प्रेम और राष्ट्रीय अस्मिता से सम्बन्धित शिक्षा देने में लगातार

समाचार पत्रों में...

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 20 जनवरी, 2016

महाराणा प्रताप राष्ट्र के प्रतीकः प्रो. हिमांशु

गोरखपुर। भारतीय अस्मिता और शौर्य के प्रतीक हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप का सम्पूर्ण जीवन युवाओं का मार्ग दर्शन करता रहेगा। महाराणा प्रताप राष्ट्र के प्रतीक है और उनका जीवन भारत की पहचान है। राष्ट्र-समाज के लिए त्याग-बलिदान के पर्याय है महाराणा प्रताप। भारतीय युवाओं में भारत की सुरक्षा और संरक्षा का संकल्प पैदा करने का माद्दा रखता है महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन। स्वाभिमान, स्वावलम्बन, स्वधर्म के लिए सर्वस्व समर्पण का नाम है महाराणा प्रताप। भारत के नवजवानों में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन चरित्र को शिक्षा के पाठ्यक्रमों में स्थान देने की महति जरूरत है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा राष्ट्र खतरें में होगा, स्वधर्म एवं देश का स्वाभिमान खतरे में होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगी। उक्त बातें महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि समारोह में बोलते हुए समारोह के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष एवं इतिहासकार प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी ने कही। पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता डॉ. अविनाश प्रताप सिहं ने करते हुए कहा कि आज भारत के नवयुवकों के सामने महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक का जीवन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत न करने के कारण युवाओं में राष्ट्रभक्ति, स्वधर्म के प्रति आग्रह, देश समाज के लिए समर्पण के भाव का अभाव हुआ है। वर्तमान की भारत की शिक्षा नीति ने पाठ्यक्रमों में जिस प्रकार से भारत के लिए त्याग-बलिदान और शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन मूल्यों को नकारा है यह देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। आज जिस तरह से देश वाह्य एवं आन्तरिक दोनों प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, जिस तरह से आज नक्सलवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद और आतंकवाद जैसे बड़े संकट से देश गुजर रहा है, उसका एक बड़ा कारण यही है कि हम युवकों को राष्ट्रीय प्रेम और राष्ट्रीय अस्मिता से सम्बन्धित शिक्षा देने में लगातार असफल हो रहे हैं। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी डॉ. यशवंत कुमार राव ने रखी। कार्यक्रम में क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिहं एवं सुश्री दीप्ती गुप्ता ने भी अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आरएन सिहं, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, सुबोध कुमार मिश्रा, डॉ. राजेश शुक्ला, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिहं, डॉ. राम सहाय, सहित सभी छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

अमर उजाला
गोरखपुर | बुधवार | 20 जनवरी 2016

राष्ट्र के प्रतीक हैं महराणा प्रताप: प्रो. हिमांशु

गोरखपुर। महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के अवसर पर महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में मंगलवार को व्याख्यानमाला आयोजित की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता गोरखपुर यूनिवर्सिटी के इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी रहे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप राष्ट्र के प्रतीक हैं और उनका जीवन भारत की पहचान है। महाराणा प्रताप के जीवन संघर्ष की दास्तान सुनाते हुए प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि उनके जीवन दर्शन में भारत की सुरक्षा और संरक्षा का संकल्प पैदा करने की ताकत है । दरअसल स्वाभिमान, स्वावलंबन, स्वधर्म के लिए सर्वस्व समर्पण का नाम ही महाराणा प्रताप है। डॉ. यशवंत कुमार राव, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह और दीप्ति गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आरएन सिंह, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, सुबोध कुमार मिश्रा, डॉ. राजेश शुक्ला, कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. शुभ्रांशु शेखर आदि रहे।

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी।